सात सर्जरी बाद सामान्य होगी सोनाली की जिंदगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : बीएल कपूर अस्पताल में भर्ती सोनाली की स्थिति बताने के लिए बृहस्पतिवार प्रेस वार्ता की गई। प्लास्टिक सर्जन डॉ. एएस बाथ ने बताया कि सोनाली की आंखें बंद नहीं होती थीं। जांघ की बची थोड़ी सी त्वचा से उसकी दोनों आंखों की स्किन ग्राफ्टिंग की गई।

खोपड़ी के दाहिने हिस्से की एक तिहाई त्वचा झुलसी है। झुलसने की वजह से त्वचा काफी पतली हो गई है और बार-बार फट रही है। यहां स्किन ग्राफ्टिंग करने के लिए जांघ और बांह के पास भी त्वचा नहीं बची है। इसलिए सिलिकॉन की मदद से त्वचा के टिस्सु को रीजेनरेट प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें तीन महीने का समय लगेगा। अगली सर्जरी एक महीने बाद होगी। टोटल फेशियल रिकंस्ट्रक्शन और मल्टी ऑर्गन इक्वॉल्वमेंट मल्टीपल सर्जरी में कम से कम 15 से 18 महीने लगेंगे। इस दौरान कुल सात सर्जरी होंगी। जिसमें पोस्ट बर्न अपर लिड ऐक्ट्रोपियॉन, कॉन्ट्रैक्चर्स रिलीज, जेड प्लास्टिक स्प्लिट स्किन ग्राफ्टिंग के प्रयोग से त्वचा की पुनर्रचना, सीरियल स्कैल्प एक्सपेंशन, सिर की त्वचा के भीतर एक्सपेंडर प्लेसमेंट किया जाएगा, ताकि बाद में केशरहित ग्राफ्टेड कर खोपड़ी को कवर दिया जा सके। इस मौके पर डॉक्टर सुनील कथूरिया ने कहा कि सोनाली 60 डीबी के बहरेपन से पीड़ित है। कान के पर्दे की पुनर्रचना के लिए टाइमपैनोप्लास्टी सर्जरी की जाएगी तथा सुनने की क्षमता सुधारने के लिए मध्य कान की तीन हड्डियों का ऑपरेशन ऑसिकुलोप्लास्टी किया जाएगा। वहीं डॉ. विकास मेनन ने बताया कि उसकी दाएं आंख की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो गई है। बाई आंख की रोशनी बची है। इसलिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किया जाएगा। डॉ.आर के सिंघल ने कहा कि उसके हाइपोथायरॉइडिज्म को सप्लीमेंट की जरूरत है। 27 साल की सोनाली का वजन अभी मात्र 35 किलो है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2003 को तीन मनचलों ने परिवार के साथ छत पर सो रही सोनाली पर एसिड डाल दिया था। इससे वह बुरी तरह से झुलस गई थी।

मैं एक बार फिर अपनी नई जिंदगी का सपना देख रही हूं। भगवान की कृपा है कि नौ साल की मानसिक व शारीरिक परेशानी सहने के बाद डॉक्टरों की टीम मेरी जिंदगी को फिर से संवारने में लगी हुई है। - सोनाली

सोनाली की सीरियल रिकंस्ट्रक्टिव सर्जिकल प्रक्रिया बीएल कपूर अस्पताल में शुरू हो चुकी है। 18 वरिष्ठ डॉक्टरों का दल सोनाली के इलाज में लगा है। -डॉक्टर संजीव

सोनाली सामान्य होना चाहती है, ताकि वह अपना काम खुद कर सके। वह बेहद मजबूत मानसिकता वाली लड़की है। - डॉक्टर ए एस बाथ